प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

संघ स्वस्थ एवं प्रवर्धमान रहे – आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 25 जुलाई, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण ने उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए तेरापंथ इतिहास के 251वें वर्ष पर अपने संबोधन में कहा कि आचार्य भिक्षु के पास विशेष आत्मब, प्रज्ञाबल था, मैं आचार्य भिक्षु में भगवान महावीर की वाणी के प्रति गहरी आस्था थी। प्रगाढ़ निष्ठा का भाव रहा तभी आज इस रूप में तेरापंथ का संगठन विकसित हुआ है और निरंतर प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कहा साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं में आत्मनिष्ठा पुष्ठ होनी चाहिए, आत्मकल्याण की भावना होनी चाहिए। संघीय साधनों में संघ निष्ठा आवश्यक है। गण के साथ एकता का भाव अक्षुण रहना चाहिए। संघ निष्ठा के साथ आज्ञा निष्ठा रहे। निष्ठा का भाव रहना चाहिए, संघ में जो विधान है उनके प्रति निष्ठा की भावना रहे तो संघ निष्ठा बनी रहती है। उन्होंने कहा कि संघ स्वस्थ रहे, प्रवर्धमान रहे।

इस अवसर पर साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने आचार्य भिक्षु के जीवन पर प्रकाश डाला।

आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष चार चरणों में

आचार्य महाश्रमण ने आज समारोह में आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष को चार चरणों में मनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 13 के चातुर्मास में आने वाले जन्म दिवस कार्तिक शुक्ला द्वितीया से शताब्धि वर्ष प्रारंभ होगा। उस समय प्रथम चरण मनाया जायेगा। दूसरा चरण 2014 के मर्यादा महोत्सव पर, तीसरा चरण 2014 के चातुर्मास में आने वाले विकास महोत्सव पर और चौथा चरण उसी चातुर्मास में आने वाले जन्म दिवस कार्तिक शुक्ला द्वितीया को मनाया जायेगा। शताब्दि वर्ष का दायित्व जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के दिये जाने का इंगित करते हुए कहा कि शताब्दि वर्ष का एक चरण देश की राजधानी दिल्ली में मनाने का भाव है। उल्लेखनीय है कि आचार्य महाश्रमण के पदाभिषेक समारोह में भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने दिल्ली पधारने की अर्ज की थी। उनकी अर्ज पर आचार्य महाश्रमण ने शताब्दि वर्ष में दिल्ली जाने की घोषणा की थी। आचार्य महाश्रमण ने आज शताब्दि वर्ष में प्रत्येक मास की द्वितीया को विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की भी घोषणा की।

मुनि सागरमल को तेरापंथ इतिहास मनीषी संबोधन

आचार्य महाश्रमण ने सिरियारी में प्रवासित मुनि सागरमलजी श्रमण की सेवाओं एवं इतिहास विज्ञता का उल्लेख करते हुए तरापंथ इतिहास मनीषी संबोधन से संबोधित किया। वयोवृद्ध मुनि सागरमल तेरापंथ इतिहास के सूक्ष्म तथ्यों की विशद जानकारी रखते हैं।

श्रेणी आरोहण दीक्षा समारोह

सात समणियों को दी आचार्य महाश्रमण ने साध्वी दीक्षा

सरदारशहर 25 जुलाई, 2010

आचार्य महाश्रमण ने यहां तेरापंथ भवन के विशाल सभागार में आयोजित 251वें तेरापंथ स्थापना दिवस कार्यक्रम के तीसरे दिन श्रेणी आरोहण दीक्षा समारोह में सात समणियों को साध्वी दीक्षा प्रदान की। करेमि भंते! सामायिम के पाठ का समुच्चारण कराते हुए आचार्य महाश्रमण ने समणी विनम्रप्रज्ञा, समणी ऋषिप्रज्ञा, समणी सुमेधाप्रज्ञा, समणी मौलिकप्रज्ञा, समणी दिव्यप्रज्ञा, समणी प्रशमप्रज्ञा, समणी रविप्रज्ञा को जीवन पर्यंत तक सर्व सावध योग का प्रत्याख्यान करवाया। साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने नवदीक्षित साध्वियों का केश लोचन संस्कार संपन्न किया और गुरु आशीर्वाद के रूप में आर्षवाणी का उच्चारण करते हुए धर्मध्वज रजोहरण प्रदान किया।

आचार्य महाश्रमण ने नवदीक्षित साध्वियों का नामकरण संस्कार संपन्न करवाया। उन्होंने समणी विनम्रप्रज्ञा को साध्वी वैभवप्रज्ञा, समणी ऋषिप्रज्ञा को साध्वी ऋतुयशा, समणी सुमेधाप्रज्ञा को साध्वी जिनयशा, समणी मौलिकप्रज्ञा को साध्वी मनोयशा, समणी दिव्यप्रज्ञा को साध्वी दिव्ययशा, समणी प्रशमप्रज्ञा को साध्वी प्रणवयशा, समणी रविप्रज्ञा को साध्वी रजतयशा नाम प्रदान किया। आचार्य महाश्रमण ने नवदीक्षित साध्वियों को साधना पथ पर अबाध गति से बढते रहने का आशीर्वाद भी प्रदान किया। समणी नियोजिका समणी मधुरप्रज्ञा ने विचार व्यक्त किये। नवदीक्षित साध्वियों ने भी अपने समर्पण भाव व्यक्त किये। संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संयम पर्याय के 51वें वर्ष में प्रवेश

संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा ने संमय पर्याय के 50 वर्ष पूर्ण कर 51वें वर्ष में प्रवेश किया। इस मौके पर अनेक साध्वियों, समणियों ने अभिवंदना में गीत आदि प्रस्तुत किये। लाडनूं से तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ कन्या मण्डल ने प्रस्तुति दी। मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने मंगल कामना प्रस्तुत की। मुनि किशनलाल ने वर्धापना की। आचार्य महाश्रमण ने साध्वीप्रमुखा की सेवाओं की सरहाना करते हुए समर्पण एवं निष्ठा के भावों का उल्लेख किया।

मण्डल का विशेष आवरण लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2010 में नामांकित

भारतीय डाक विभाग के योग से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा जारी विशेष आवरण को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में निमांकित करने पर आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में उपलब्धि समारोह का आयोजन किया गया। महामंत्री वीणा बैद ने मण्डल का परिचय देते हुए बताया कि तेरापंथ धर्मसंघ के अधिशास्ताओं के निर्देशन में 1996 से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल महिला जागृति एवं सशक्तिकरण के लिए विविध आयामी कार्य कर रही है। अपनी चार मुख्य योजनाओं 'स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज' योजना कन्या सुरक्षा योजना, आओ चलें गांव की ओर तथा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना की परिधि पर देशभर में 370 शाखा मण्डलों एवं 125 कन्या मण्डलों के माध्यम से 55 हजार कार्यकर्त्ता बहिनें वृहद स्तर पर अपने कदम बढ़ा रही है। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सचिन मित्तल डायरेक्टर जनरल, भारतीय डाक विभाग राजस्थान बेल्ट जोन ने मण्डल के प्रयासों की सरहाना की। समारोह की अध्यक्षता लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड की मुख्य संपादिका श्रीमती विजया घोष ने की। मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती कनक बरमेचा ने इस उपलब्धि को पूज्यवरों के आशीर्वाद का परिणाम बताया। आचार्यश्री महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी ने अतिथियों का मोमेन्टो के द्वारा स्वागत किया।

– शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)